Roll No. : ..... Total Pages : 7

1381-R

I Year Arts Examination, 2018

HINDI LITERATURE

Paper – I

(काव्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

(खण्ड-अ) [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-ब) [Marks : 50]

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(खण्ड-स) [Marks : 30]

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

(इकाई–I)

(i) ''जाता है पंचशर जिसकी कल्पिता-मूर्ति माना।'' यहाँ 'पंचशर' से क्या अभिप्राय है ?

(ii) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की कोई **दो** विशेषताएँ लिखिए।

(इकाई–II)

(iii) ''पेशोला की 'ऊर्मियाँ हैं शांत' यहाँ 'ऊर्मियाँ' हैं शांत।'' कविता पंक्ति में 'ऊर्मियाँ' शब्द का अर्थ है ?

(iv) 'नौका विहार' कविता के रचनाकार हैं ?

(इकाई–III)

(v) महादेवी वर्मा की छायावादी रचनाओं के नाम लिखिए।

(vi) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का जन्म कब और कहाँ हुआ ?

(इकाई–IV)

(vii) पाठ्यक्रम में संकलित रामधारी सिंह दिनकर की किन्हीं **दो** कविताओं के नाम लिखिए।

(viii) 'बावरा अहेरी' कविता में बावरा अहेरी शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(इकाई–V)

(ix) किन्हीं **दो** प्रगतिवादी कवियों के नाम लिखिए।

(x) अतिशयोक्ति अलंकार का लक्षण लिखिए।

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

पूरा पूरा परम प्रिय का मर्म मैं बूझती हूँ।
है जो वांछा विशद उर में जांती उसे भी हूँ।
यत्नों द्वारा प्रतिदिन अत: मैं महासंयता हूँ।
तो भी देती विरह-जनिता वासनायें व्यथा हैं।।

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

छल किया भाग्य ने मुझे अयश देने का,
बल दिया उसी ने भूल मान लेने का।
अब कटे सभी वे पाश नाश के मेरे।
मैं वही कैकेयी, वही राम तुम मेरे।
होने पर बहुधा अर्धरात्रि अंधेरी,
जीजी आकर करती पुकार थी मेरी।
लो कुहकिनी, अपना कुहुक राम यह जागा,
जिन मँझली माँ का स्वप्न देख उठ भागा।।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

बीती विभावरी जाग री
अंबर पनघट में डुबो रही
तारा घट उषा नागरी।
खग कुल कुल सा बोल रहा
किसलय का अंचल डोल रहा
लो यह लतिका भी भर लाई
मधु मुकुल नवल रस गागरी
अधरों में राग अमंद पिये
अलकों में मलयज बंद किये
तू अब तक सोई है रे आली।
आँखों में भरे विहाग री।।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

हाय ! मृत्यु का ऐसा अमर, अपार्थिव पूजन ?
जब विष्ण, निर्जीव पड़ा हो जग का जीवन !
स्फटिक-सौंध में हो शृंगार मरण का शोभन,
नग्न क्षुधातुर, वास विहीन रहे जीवित जन ?
मानव ! ऐसी भी विरक्ति क्या जीवन के प्रति ?
आत्मा का अपमान, प्रेत और छाया से रति !!

6. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो !
रजत शंख-घड़ियाल स्वर्ण वंशी-वीणा-स्वर,
गये आरती वेला को शत-शत लय से भर,
जब था कल कंठों का मेला,
विहँसे उपल तिमिर था खेला,
अब मंदिर में दीप अकेला,
इसे अजिर का शून्य जलाने को गलने दो !

7. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

हैं करुणा रस से पुलकित उसकी आँखें
देखा तो भीगी मन-मधुकर की पाँखें,
मृदु रसावेश में निकला जो गुंजार
वह और न था कुछ, था बस हाहाकार !
उस करुणा की सरिता के मलिन पुलिन पर
लघु टूअी हुई कुटी का, मौन बढ़ाकर
अति छिन्न हुए भीगे अंचल में मन को –
दुख रूखे-सूखे अधर त्रस्त चितवन को
वह दुनिया की नजरों से दूर बचाकर
रोती है अस्फुट स्वर में।

(इकाई–IV)

8. प्रतिशोध कविता के आधार पर दिनकर के काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

9. अज्ञेय के व्यक्तित्व व कृतित्व का वर्णन कीजिए।

(इकाई–V)

10. निम्नलिखित छंदों के लक्षण व उदाहरण लिखिए :
चौपाई, मंदाक्रांता।

11. निम्नलिखित अलंकारों के लक्षण व उदाहरण लिखिए :
रूपक, भ्रांतिमान।

खण्ड-स

(इकाई–I)

12. 'श्याम संदेश' कविता के आधार पर प्रियप्रवास में वर्णित लोकमंगल के भावों का वर्णन कीजिए।

(इकाई–II)

13. सुमित्रानंदन पंत की कविता में वर्णित प्रकृति वर्णन का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(इकाई–III)

14. सूर्यकांत त्रिपाठी की कविता में वर्णित प्रगति चेतना का वर्णन कीजिए।

(इकाई–IV)

15. रामधारी सिंह दिनकर के काव्य का सौष्ठव वर्णित कीजिए।

(इकाई–V)

16. छायावादी काव्य की प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।